एनसीईआरटी अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन इस विश्वास के साथ कर रही है कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की वाहक भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा और भारतीय भाषाओं में शिक्षण को प्राथमिकता दी गई है। ऐसे समय में, जब विश्वभर में भारतीय प्रवासी समुदाय तेजी से बढ़ रहे हैं और हिंदी का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रहा है, एनसीईआरटी का यह सम्मेलन शिक्षा, भाषा और तकनीक के समन्वय से हिंदी को एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भाषा के रूप में विस्तारित करने का प्रयास है।

यह आयोजन हिंदी के आधुनिक स्वरूप, शिक्षण विधियों एवं परिपाटियों, शिक्षा का माध्यम, भाषाई तकनीक की भूमिका पर गहन विमर्श का अवसर प्रदान करेगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वैश्विक शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और डिजिटल माध्यमों में हो रहे हिंदी के उपयोग पर सार्थक विमर्श आमंत्रित करना है ताकि यह अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में अपनी पहचान को मजबूती प्रदान कर सके।

सम्मेलन हिंदी को केवल भारत की राजभाषा के रूप में ही नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान की अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में भी प्रस्तुत करेगा। इसके माध्यम से हिंदी में शिक्षण-सामग्री, ई-संसाधन और डिजिटल मॉड्यूल विकसित करने की दिशा में ठोस पहल का मार्ग प्रशस्त होगा। यह सम्मेलन एनसीईआरटी द्वारा हिंदी भाषा के क्षेत्र में किए जा रहे अकादमिक कार्यों की पहुँच को भी वैश्विक स्तर तक विस्तारित करने का एक सार्थक मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में हिंदी भाषा के विद्वान और भाषाविद मिलकर हिंदी के आधुनिक प्रयोग की संभावनाओं पर रणनीति तैयार करेंगे। यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों को हिंदी में नवाचार करने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे हिंदी का क्षितिज विस्तृत होगा। साथ ही, विश्व भाषा के रूप में हिंदी की संभावनाओं को सशक्त करने के लिए एक साझी समझ बनेगी।

पंजीकरण के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Url Link :
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScx379XK9BVzLLXMzk4ICvD1-hMTMpC-4xkWpSFABHaBgTMxw/viewform?usp=header



विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

“हिंदी शिक्षण-अधिगम का वैश्विक परिदृश्य”

दिनांक : 10 जनवरी 2027

स्थान : सम्मेलन कक्ष - 202, सीआईईटी, एनसीईआरटी

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

हिंदी प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

पंजीकरण के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं शोध-पत्र वाचन – 2027

10 जनवरी 2027

Url Link :
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdFjuyZ41PxLR7Cy-LDbt8ggmjSOXIfDDphn3jKrnVtkA0tsw/viewform?usp=header

शोध-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि: 07 दिसंबर 2026
शोध पत्र भेजने के लिए दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें तथा गूगल फॉर्म भरें।

चयनित शोध-पत्र लेखकों को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया जाएगा। भविष्य में उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण शोध-पत्र प्रकाशित करने पर भी विचार किया जा सकता है।

शोध-पत्र हेतु निर्देश

· शब्द सीमा: 2500–3500
· फॉन्ट: यूनिकोड
· फॉन्ट साइज़: 11
· केवल मौलिक एवं अप्रकाशित शोध-पत्र ही स्वीकार किए जाएंगे।
· शोध-पत्रों की मौलिकता की जाँच उपयुक्त माध्यम से की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के संरक्षक

निदेशक
प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

संयुक्त निदेशक
प्रो. प्रकाश चंद्र अग्रवाल
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

सचिव
श्री राजीव कुमार
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

अध्यक्ष
प्रो. मो. फ़ारुक़ अंसारी
हिंदी प्रकोष्ठ
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

संयोजक
डॉ. नीलकंठ कुमार
प्रभारी, हिंदी प्रकोष्ठ
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

हिंदी प्रकोष्ठ

श्री संजीव कुमार, हिंदी अधिकारी
सुश्री आँचल, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सुश्री अंजना, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

श्रीमती सरिता कच्छप, सहायक
श्री संजीव कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक
श्री ओमबीर, अवर श्रेणी लिपिक

उप-विषय

सम्मेलन के लिए निम्न विषय प्रस्तावित हैं। इनमें से किसी एक पर आलेख भेजा जा सकता है। इनके अतिरिक्त भी सम्मेलन के मूल विषय से संबद्ध किसी अन्य विषय पर आलेख प्रस्तुत किया जा सकेगा।

1. हिंदीतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी शिक्षण-अधिगम।
2. विदेशों में हिंदी शिक्षण (चीन, दक्षिण कोरिया, जापान, रूस आदि)
3. वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा शिक्षण की संभावनाएँ और चुनौतियाँ।
4. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी शिक्षण की सैद्धांतिक आधारभूमि।
5. अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण की पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम-निर्माण और दक्षता-आधारित शिक्षण-अधिगम।
6. हिंदी शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकी।
7. हिंदी शिक्षण में अंतरसांस्कृतिक संप्रेषण (कल्चरल एक्सचेंज) की भूमिका।
8. वैश्विक हिंदी शिक्षण की संस्थागत संरचना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग।
9. विदेशों में हिंदी शिक्षण की संस्थागत चुनौतियाँ।
10. भारत और विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।
11. विभिन्न देशों में हिंदी पाठ्यचर्या का तुलनात्मक अध्ययन।
12. हिंदी को विदेशी भाषा तथा तृतीय भाषा के रूप में सीखने का शिक्षाशास्त्रीय दृष्टिकोण।
13. हिंदी शिक्षण का वैश्विक परिदृश्य: वर्तमान स्थिति, अंतर्विरोध और भावी संभावनाएँ।
14. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिंदी शिक्षण का भविष्य: अवसर, सीमाएँ और नैतिक प्रश्न।
15. बहुभाषिक विश्व में हिंदी की भूमिका: भाषा-अधिगम, पहचान और भाषायी सह-अस्तित्व।
16. हिंदी शिक्षण के अंतरराष्ट्रीय मानक: पाठ्यचर्या, मूल्यांकन और प्रमाणन।
17. प्रवासी समाजों में हिंदी का भविष्य: विरासत भाषा, पीढ़ीगत हस्तांतरण और डिजिटल समुदाय।
18. हिंदी शिक्षण में साहित्य और संस्कृति: भाषा-अधिगम के सिद्धांत से कक्षा-व्यवहार तक।
19. हिंदी शिक्षण-अधिगम के क्षेत्र में अनुसंधान की गुणवत्ता।
20. विदेशी भाषा के रूप में हिंदी के अधिगम में मातृभाषा की भूमिका।
21. हिंदी के अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रमों में भाषायी दक्षता के मानकों का तुलनात्मक अध्ययन।
22. हिंदी भाषा-अधिगम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवादात्मक प्रणालियों की प्रभावशीलता।
23. डिजिटल हिंदी शिक्षण में पहुँच, समावेशन और भाषायी असमानता का अध्ययन।
24. विश्व भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण-अधिगम का बहुभाषिक शिक्षाशास्त्रीय दृष्टिकोण।
25. भाषा के विविध कौशलों की हिंदी शिक्षण-अधिगम में भूमिका।
26. राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं विश्वभाषा के रूप में हिंदी की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ।

